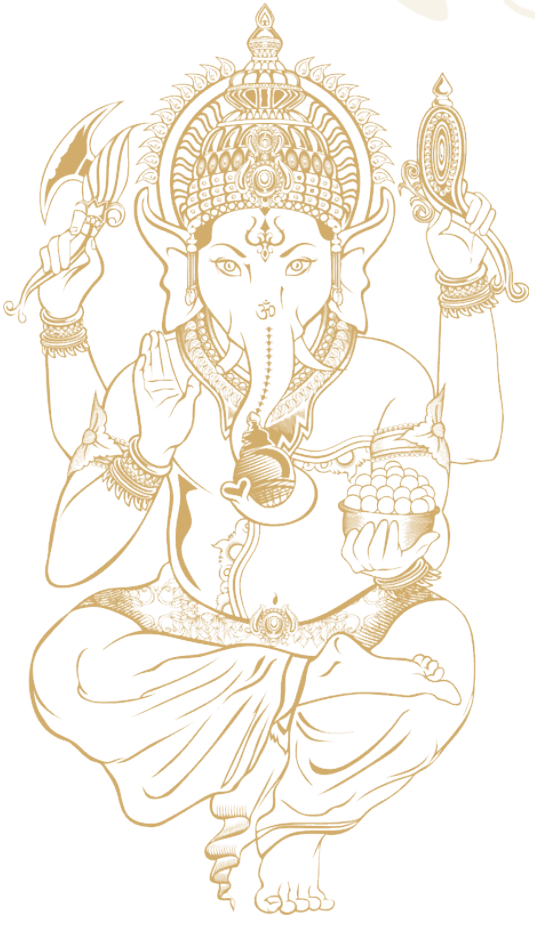

Mr.jatin

Ms.shakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120307703

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
10-11/12/1991 :	जन्म तिथि	: 19/03/1997
मंगल-बुधवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 00:07:00 :	जन्म समय	: 07:20:00 घंटे
घटी 42:42:37 :	जन्म समय(घटी)	: 02:14:01 घटी
India :	देश	: India
Faridabad :	स्थान	: Hathras
28:24:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:36:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:01:57 :	सूर्योदय	: 06:23:26
17:25:00 :	सूर्यास्त	: 18:28:20
23:44:56 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 5मा 27दि		23:30:04	सिंह	लग्न	मीन	23:13:11	शनि 10वर्ष 10मा 29दि	
गुरु		24:27:19	वृश्चि	सूर्य	मीन	04:41:18	केतु	
08/06/2023		14:40:33	मक	चंद्र	कर्क	09:00:29	15/02/2025	
08/06/2039		14:36:01	वृश्चि	मंगल व	कन्या	02:15:57	16/02/2032	
गुरु	27/07/2025	19:21:56	वृश्चि व	बुध	मीन	11:57:50	केतु	14/07/2025
शनि	07/02/2028	20:14:17	सिंह	गुरु	मक	18:45:20	शुक्र	13/09/2026
बुध	15/05/2030	11:27:06	तुला	शुक्र	मीन	01:01:03	सूर्य	19/01/2027
केतु	21/04/2031	09:53:49	मक	शनि	मीन	14:56:58	चन्द्र	20/08/2027
शुक्र	20/12/2033	16:09:16	धनु	राहु	कन्या	04:55:56	मंगल	17/01/2028
सूर्य	08/10/2034	16:09:16	मिथु	केतु	मीन	04:55:56	राहु	03/02/2029
चन्द्र	07/02/2036	18:41:51	धनु	हर्ष	मक	13:38:34	गुरु	10/01/2030
मंगल	13/01/2037	21:41:38	धनु	नेप	मक	05:37:11	शनि	19/02/2031
राहु	08/06/2039	27:37:34	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	11:45:10	बुध	16/02/2032

लग्न-चलित

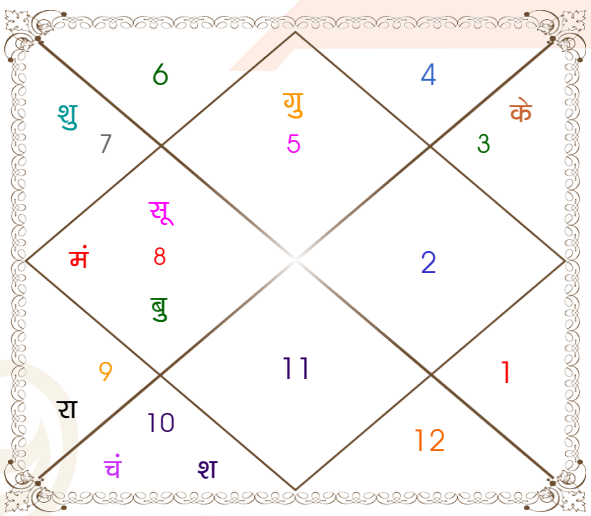

लग्न-चलित

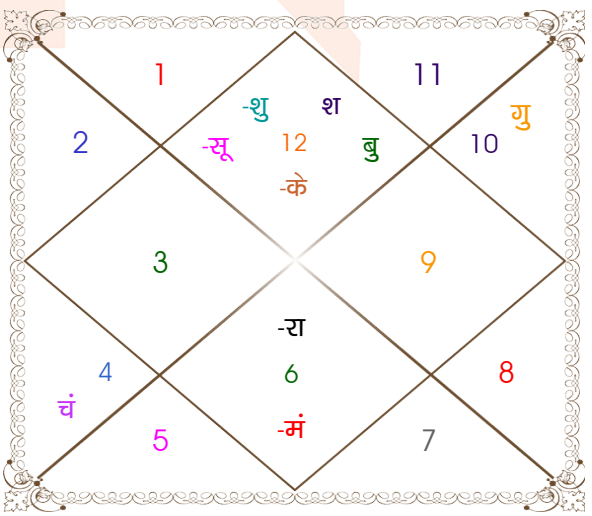

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

Mr.jatin का वर्ग मार्जार है तथा Ms.shakshi का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.jatin और Ms.shakshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.jatin मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr.jatin कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.jatin कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.shakshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.shakshi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms.shakshi कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.jatin कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.jatin तथा Ms.shakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।